LOK SABHA

Monday, April 23, 1973/Vaisakha 3, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBERS SWORN

1. Shri Madhu Limaye (Banka).

* *

MR. SPEAKER: Order, please ....

SHRI K. LAKKAPPA (Tumkur): Sir, while taking the oath, he has made certain remarks, and I want to know whether under the rules the oath-taking is complete or not.

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): There is a decorum of the House which he is trying to break.

SHRI K. LAKKAPPA: That is an incomplete oath-taking.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन है । श्री मधु लिमये निर्वाचित हो कर आये हैं । वह प्रतिज्ञा ले रहे थे । प्रतिज्ञा के साथ उन्होंने जो कुछ कहा वह उचित था या नहीं, इसके बारे में दो रायें हो सकती हैं, लेकिन कांग्रेस मेम्बर जो आचरण कर रहे हैं उससे श्री मधु लिमये के कथन की पुष्टि हो गई है ।

SHRI K. LAKKAPPA: It is not in order. There is a prescribed form for oath-taking. That should be conformed to at the time of oath-taking. (*Interruptions*). He has not taken the oath in the proper form. It is incomplete. He is not entitled to sit in the House.... (*Interruptions*).

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मेरा व्यवस्थ का प्रश्न है । अगर श्री मधु लिमये ने कोई गलत काम किया तो उन को यह गालियां नहीं दे सकते । इन्होंने गालियों का प्रयोग किया है । उन्होंने आपका ध्यान क्यों नहीं खींचा । (**व्यवधान**) अब सरकारी पार्टी मदान्ध हो गई है, यह साबित हो गया । (**व्यवधान**)

श्री राम सहाय पांडे (राजनन्दगांव) : किसी सदस्य के निर्वाचित हो जाने के बाद जब वह शपथ लेता है तो उस शपथ की गरिमा और उस का महत्व इस सदन में यह है कि जो उस पत्रक में लिखा है शपथ के सम्बन्ध में, उतना ही वह पढ़ें । उस के बाद यह सदन उस के लिये उपस्थित है, वह जो चाहे कहे। लेकिन शपथ के साथ यदि कोई बात कही गई है, तो वह सम्पूर्ण रूप से शपथ नहीं है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह पहला मौका नहीं है । आपको याद होगा, आप इस सदन में पुराने हैं, कि जब श्री एस० के०

**Expunged as ordered by the Chair.

पाटिल उप-चुनाव में चुन कर आये थे और शपथ ले रहे थे तब हमारे मित्र श्री एस० एम० बनर्जी ने शपथ के बाद यह जोड़ दिया था। "और मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं कांग्रेस पार्टी में फूट नहीं डालूंगा।" उस वाक्य को सदन ने जिस भावना से बात कही गई थी उसी भावना से ग्रहण किया था। मगर आज यह अपना सन्तुलन क्यों खो रहे हैं ? (व्यवधान)

श्री राम सहाय पांडे : मैं शपथ की भावना और उसकी गरिमा की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं। शपथ में हम श्रद्धा के साथ प्रतिज्ञा करते हैं कि हम सदस्य चुन कर आये हैं और अपने दायित्वों का पालन करेंगे। दायित्व पालन करने की जो शब्दावलि पत्र के अन्त में, उस के बाद कुछ नहीं कहा जा सकता। यदि कुछ बात कही गई है तो यह शपथ का अंग नहीं मानी जानी चाहिये और एक्सपंज होनी चाहिये।

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Order, order. I am not allowing anything. Something has happened which is unfortunate. At the time of oath-taking, the Member comes, takes the oath, signs the register and he goes back to his seat. In this case, Mr. Madhu Limaye, after taking oath, turned towards the Treasury Benches and made certain observations. While he was standing here with me on the dais, the counter-shouting started. First he turned towards the Treasury Benches and made some observations. While he was standing here immediately after shaking hands, the counter-shouting started. He is our old friend and senior Member and he is coming again. As a Member we all welcome him. But he should not be so impatient. The whole of this episode is a very unhealthy precedent. May I suggest that when the oath finished and upto the time he signed the register, nothing will form part of the record. Nothing should be said from the time the oath is taken till signing in the register. It is a solemn ceremony. After that you are at liberty to say whatever you like to say.

2. Shri Yogesh Chandra Murmu (Rajmahal).

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Balanced Growth of Population

+

*801. SHRI BHAGIRATH BHANWAR:
SHRI S. N. MISHRA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY PLANNING be pleased to state:

(a) whether Government propose to evolve a population policy which could aim at reducing the gap between the rate of socio-economic development and population growth to raise the standard of living in the country; and

(b) whether the money allotted to family planning has been effectively used?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (SHRI KONDAJJI BASAPPA): (a) The matter is under consideration.

(b) Yes, Sir.

श्री भागीरथ भंवर : अध्यक्ष महोदय, मैं ने प्रश्न के भाग (ख) में पूछा था कि परिवार नियोजन के लिए जो राशि आवंटित की जाती है, उसका ठीक से उपयोग हो सके, इस सम्बन्ध में शासन क्यों कर रहा है।